who deserted in the wake of Operation Blue Star would be rehabilitated in Public Sector Undertakings, (4)[1] the cases of persons detained would be reviewed, (5) a judicial enquiry would be held into the death of Shri Jagdev Singh Khudian, Akali Dal, M.P., (6) prisoners who are languishing in jail for minor offences would be released, (7) a separate Ministry for small industries would be created, (8) instructions would be given for announcement of enhanced prices for agricultural produce taking into account the increase in general prices.

(b) The information is being collected and will he laid on the Table of the House.

पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में मारे गए व्यक्ति

222. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में नई सरकार के बनने के बाद पंजाब तथा कश्मीर में आज तक कुल कितने व्यक्ति मारे गए हैं और मारे गए उपरोक्त व्यक्तियों में से पुलिस कर्मियों तथा सिविलियनों की अलग-अलग संख्या क्या है ;

(ख) क्या सरकार कश्मीर और पंजाब समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई कदम उठा रही है या कोई नीति या योजना बना रही है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) गृह मंत्री की पुत्री के अपहरण-कर्ताओं को उनकी रिहाई के बाद पुनः गिरफ्तार करने का लिए प्रयास न करने तथा वे कहां पर हैं इस पर निगाह न रखे जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) कश्मीर में फ़ारूख अब्दुल्ला सरकार द्वारा इस्तीफ़ा देने के बाद अब तक कितनी जान व माल की हानि हुई है और राज्य में कुल कितने घंटों तक कर्फ्यू लगा रहा है ?

गृह मंत्री (श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद): (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार 1 दिसम्बर, 1989 से 10 मार्च, 1990 के दौरान पंजाब में 345 नागरिक और 77 पुलिस कर्मी मारे गए । जम्मू और कश्मीर में 6 दिसम्बर, 1989 से 5 मार्च, 1990 के दौरान 83 व्यक्ति मारे गए परन्तु मारे गए नागरिकों और पुलिस कर्मियों के बारे में ब्यौरे उपलब्ध नहीं हैं ।

(ख) दोनों राज्यों की स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है । संबंधित राज्य सरकारों ने स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा तथा अन्य उपाय किए हैं । आवश्यकता पड़ने पर अर्ध-सैनिक बलों इत्यादि को तैनात करके केन्द्रीय सहायता भी दी गई है । गत वर्षों के दौरान दोनों राज्यों में समस्या और भी जटिल हो गई है तथा सभी पार्टियों के सहयोग से समाधान ढूंढने की आवश्यकता है । इसको ध्यान में रखते हुए विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से चर्चा की गई है ।

(ग) उचित कार्यवाही करने के लिए राज्य सरकार निगरानी रख रही है ।

(घ) जम्मू और कश्मीर सरकार से इस बारे में ब्यौरों की प्रतीक्षा है ।

टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा सूची

223. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में टेलीफ़ोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा कर रहे आवेदकों की राज्य-वार संख्या क्या है और उन्हें कब तक टेलीफ़ोन कनेक्शन उपलब्ध करा दिए जायेंगे और इस संबंध में राजस्थान की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ख) बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर, अजमेर, कोटा, और जोधपुर में टेलीफ़ोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा कर रहे आवेदकों की श्रेणीवार संख्या क्या है और उन सबको कब तक टेलीफ़ोन है कनेक्शन उपलब्ध करा दिए